

## विचार बिन्दु

सत्ग्रह इस लोक की चिंतामणि नहीं उनके अध्ययन से सारी कुचिंताएं मिट जाती हैं। संशय पिशाच भाग जाते हैं और मन में सद्भाव जागृत होकर परम शांति प्राप्त होती है। -अज्ञात

## हिमालय पर्वत की संरचना जानने वाले कभी उसमें सुरंग नहीं बनाते

असंख्य पर्वत मालाओं से संयुक्त हिमालय पर्वत अन्य सभी पहाड़ और पहाड़ियों से भिन्न है। इसकी श्रृंखलाएं भी बड़ी विशाल हज़ारों मीलों में कश्मीर से पूर्वोत्तर भारत के राज्यों तक फैली हुई हैं। अनेक स्थानों पर ये श्रृंखलाएं अपेक्षाकृत अधिक ऊंचाई ग्रहण किये हुए हैं। इन्हें चोटियाँ कहते हैं। इन्हीं बड़ी चोटियों में माउंट एवरेस्ट, कंचनजंघा, नंदादेवी, धौलागिरी प्रमुख चोटियाँ हैं। दरों में जोखिला, पीरपंजाब, बनिहाल, रोहतांग, माना दर्रा, नाथुला और अरुणाचल प्रदेश में, नोमडिला आदि प्रमुख दर्रें हैं। खेवर दर्रा सबसे प्रमुख है जो अब पाकिस्तान से पश्चिमी उत्तरी भाग में काबुल से जोड़ता है। इस दर्रे की लम्बाई लगभग 50 किलोमीटर और निम्नतम चौड़ाई 15 फीट बताई जाती है। यहाँ ध्यान देने की बात है कि इन दर्रों के अतिरिक्त कोई सुरंग नहीं है जहाँ तक मेरी जानकारी है। मुगलों और मंगोलों के भारत आक्रमण के समय हमलावरों ने भारत में प्रवेश के लिए इसी दर्रे का उपयोग किया था।

भारत में हिमालय पर्वत की संरचना अन्य पहाड़ों और पहाड़ियों से भिन्न है। इनके बनने की प्रक्रिया और काल अर्थात् के बारे में मुझे कोई ज्ञान नहीं है यह जानकारी कोई भूगर्भ विज्ञानी अथवा भूगोल विशेषज्ञ बता सकता है। मैं तो इतना जानता हूँ कि हिमालय सख्त चट्टानों से नहीं बना है, अपितु पत्थरों के छोटे-बड़े सभी आकार के खंड मिट्टी में चारों तरफ से फंसे पड़े हैं। बरसात से यह रेत या मिट्टी जब पानी से बह कर चट्टानों को आधार बिहिन व नंगा कर देती है तब बिना आधार ये पत्थर और चट्टानें अपने खुद के वजन से नीचे लुढ़क जाते हैं जिसे लेंड स्लाइड कहा जाता है। इस प्रकार इन पर्वतों का क्षरण होता रहता है। अरावली और विन्ध्याचल पहाड़ियाँ अधिकांशतः लावा से बनी सख्त चट्टानी पहाड़ियाँ हैं। जिनको काटना कठिन होता है। अरावली पहाड़ियों की श्रृंखला नई दिल्ली के पहाड़ गंज से आरम्भ होकर हरियाणा, अलवर, जयपुर अजमेर होती हुई राजस्थान-गुजरात सीमा पर माउंट आबू समाप्त होती है। हिमालय से ये अपेक्षाकृत कुछ अधिक कठोर हैं। अरावली की ये श्रृंखला राजस्थान को दो स्पष्ट क्षेत्रों उत्तर और दक्षिण भागों में बाँटती है। उत्तरी भाग रेतीला, मरुस्थल और कृषि के आयामों में भिन्न है। दूसरी तरफ दक्षिण भाग बनो, पेड़ पौधों, खनिज और कृषि उत्पादन में बेहतर है।

उत्तरकाशी में सुरंग बनाने के समय जो धाड़सा हुआ वह संभावित था, क्योंकि क्षेत्र की बिना समुचित जांच किये सीधे सुरंग बनाना मूर्खता है। इन श्रृंखलाओं में दर्रा बनाना उचित होता है। सुरंग तो बनने के बाद भी कभी घंस सकती है क्योंकि मिट्टी की संरचना यथा टेक्सचर, स्ट्रक्चर और कॉम्पेक्टनेस विशेषताएँ वांछित स्तर की होनी चाहिये, जो नहीं है। लावा से बनी पहाड़ियों में सुरंग सुगमता से और बिना किसी व्यवधान के बन जाती है। समय जरूर अपेक्षाकृत अधिक लगता है क्योंकि कठोर पत्थर काटने में समय अपेक्षाकृत अधिक लगता है लेकिन सुरंग बनाने समय अथवा बनने के बाद भी घसने आदि की संभावना नगण्य हो रहती है।

हिमालय एक विशाल जीवत पर्वत है। ऐसा कहा जाता है कि समुद्र की बंगाल की खाड़ी से पृथ्वी के उत्तर की तरफ वेग से डिफ्ट या सकने से हिमालय पर्वत का निर्माण हुआ और पृथ्वी सूर्य की तरफ 23.5 डिग्री झुक गई। इस प्रकार ऊँचाइयों पर बनी चोटियों पर वर्ष बनने से वे हिमाक्षादित हो गईं। तत्पश्चात् वर्ष पिघलने से पानी निचाई की तरफ बहने से नदियाँ बन गईं। समुद्री व मैदानी मिट्टी से बनी ये चोटियाँ विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों से शनैः शनैः प्रचुर होती गईं।

आज बड़ी नदियों में गंगा, जमुना, सिंध, झेलम, कोसी, ब्रह्मपुत्र, आदि अपार जल प्रवाह लेकर मैदानी भाग को पानी उपलब्ध कराती हुई लाखों हेक्टर खेती की जमीन सिंचित कर वापिस बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में मिल जाती है। अतिरिक्त इनके नदियों की अपार जल राशि से प्रेरित हो दो विशाल बिजली परियोजनाएँ भाखड़ा नंगल और टेहरी भी संचालित हो चुकी हैं। हज़ारों किलोवाट बिजली उत्पादन के अलावा इन बाँधों पर नहरें निकाल कर अनेक प्रांतों में खेती के लिए लाखों एकड़ सिंचाई के लिए नहरों का जाल बिछ गया है। भाखड़ा बाँध पंजाब के होशियारपुर जिले सतलुज नदी पर स्थित है जबकि टेहरी बाँध भागीरथी नदी पर उत्तरांचल प्रदेश में कापी ऊँचाई पर बना है। इसलिए ये हिमालय से निकली नदियाँ मानव के लिए जीवनदायनी बनी हुयी हैं। कल्पना करिये यदि ये नदियाँ सूख जायँ तो क्या होगा? भूगर्भ जल भी पाताल में चला जायगा, जिसे मानव किसी भी प्रकार से प्राप्त नहीं कर सकेगा।

अतिरिक्त इसके गंगा जैसी नदी में विषाणु सदृश्य बैक्टीरियाओ फेज की भी उपस्थित वैज्ञानिकों ने प्रतिपादित की है जिससे गंगा जल वर्षों तक घर में भी खराब नहीं होता। यह बैक्टीरिओफास जल में मौजूद जीवाणुओ को नष्ट करते रहते हैं। सहस्त्रधारा (ऋषिकेश से थोड़ा ऊपर चल कर) नामक स्थान से औषधियुक्त जल धाराएँ अविल गिरती रहती हैं। प्रसिद्ध हज़ारों लोग इन धाराओं में स्नान करते हैं।

नदियों के बहाव क्षेत्र में असंख्य औषधीय वनस्पति के बीज भी जल के साथ मैदानी भागों में आकर फिर नहरों के पानी से सिंचाई के समय खेतों में पहुँच जाते हैं। अनेक सूक्ष्मतम खनिज भी पर्वत से जल के साथ मैदानी भागों में पहुँच कर खेतों की उर्वरा शक्ति बढ़ा देते हैं। राम-रावण युद्ध के समय मूर्छित लक्ष्मण को होश में लाने के लिए हनुमान जी हिमालय से ही संजीवनी बूटी लाये थे। कितने उदाहरण हैं हिमालय की जीवतता के बारे में? मनुष्य उसी हिमालय का सीना फाड़ सुरंग बना रहा है, मैदानी पहाड़ तो निर्जन कर ही दिए अब हिमालय पर चोट करने की मनुष्य ने प्तान बना ली है। मेरा मानना है कि हिमालय में सुरंगो अभिशाप से ग्रसित रहेंगी जो कभी-कभी मनुष्य की जान लेती रहेंगी।

प्रकृति दोहन की भी एक हद होती है उस हद से पार जाना, स्वार्थ व लालसा को प्रकृति कभी बर्दास्त नहीं करती। देर-सबेर उसका खाभिजामा भुगतना ही पड़ता है। हिमालय और उसकी नदियों के इतने लाभ जानकार भी आप अपना सर्वनाश करने पर तुले हैं, तो कौन रोक सकता है?

अंत में मैं इस लेख में भी भारत की जनता, और तथाकथित जागरूक नेता व प्रशासनिक अधिकारी अपनी मूढ़ता से जब तक नहीं उभरेंगे, तब तक मोदी जी कितना ही विकास कर लें कोई दीर्घकालीन लाभ मिलने वाला नहीं। इसलिए हिमालय व अन्य पर्वत बचाइए और लोगों का जीवन दीर्घ काल तक चलने दीजिये।

-अतिथि सम्पादक,

प्रो.डॉ. वीर बहादुर सिंह,

(पूर्व कुलपति एवं डेयरीविज्ञान महाराणा प्रताप कृषि एवं खाद्य प्रौद्योगिकी वि.वि., उदयपुर-राज.)



पंडित अनिल शर्मा

### राशिफल शनिवार 9 दिसम्बर, 2023

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत् 2080, चित्रा नक्षत्र प्रातः 10:43 तक, शोभन योग रात्रि 11:36 तक, कोलव करण सायं 6:53 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-तुला, मंगल-वृश्चिक, बुध-धनु, गुरु-मेष, शुक-तुला, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज द्विपुष्कर योग सूर्योदय से दिन 10:43 तक है। सर्वाथ सिद्धि योग दिन 10:43 से सूर्योदय तक है। अज उत्पन्ना एकादशी व्रत वैष्णवों का है। आज वंजुली महाद्वादशी व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:25 से 9:43 तक, चर 12:19 से 1:37 तक,

लाभ-अमृत 1:37 से 4:12 तक।

राहुकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 7:08, सूर्यास्त 5:30



#### मेष

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवर्तनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में शुभ-धार्मिक-मौखिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



#### सिंह

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिवर्तनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।



#### धनु

आर्थिक/वित्तीय मामलों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण बना रहेगा।



#### वृष

मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।



#### कन्या

आर्थिक कारणों से अटक हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।



#### मकर

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटक हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में सुख-सुविधाएँ बढ़ेंगी।



#### मिथुन

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।



#### तुला

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता से बनने लगेंगे। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।



#### कुंभ

अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। वर्तमान में चल रही परेशानियाँ दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे।



#### कर्क

घर-परिवार में सुख-सुविधाएँ बढ़ेंगी। सुख-शांति बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। प्रतिष्ठित व्यक्तियों से व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।



#### वृश्चिक

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखें।



#### मीन

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

## जोधपुर पोलो-2023 : पहला मैच उम्मेद भवन पैलेस व मेहरानगढ़ के बीच में ड्रा रहा

दूसरे मैच में इण्डियन नेवी की टीम विजयी रही, फाईनल में उम्मेद भवन पैलेस व इण्डियन नेवी टीमों ने प्रवेश किया



जोधपुर पोलो सीजन-2023 में उम्मेद भवन पैलेस कप पोलो ( 4 गोल ) टूर्नामेंट के तीसरे दिन दो मैच खेले गये।

जोधपुर, (कास)। जोधपुर पोलो एवं इक्वैस्टेरियन इंस्टीट्यूट, जोधपुर के तत्वावधान में महाराजा गजसिंह स्पोर्ट्स फाउण्डेशन पोलो मैदान, एयरफोर्स रोड, पावपुरा में 24वां जोधपुर पोलो सीजन-2023 में शुक्रवार को उम्मेद भवन पैलेस कप पोलो ( 4 गोल ) टूर्नामेंट के तीसरे दिन दो मैच खेले गये। जोधपुर पोलो एवं इक्वैस्टेरियन इंस्टीट्यूट मुख्य संरक्षक पूर्व शासक गजसिंह मैदान में उपस्थित थे।

जोधपुर पोलो एवं इक्वैस्टेरियन इंस्टीट्यूट, जोधपुर के सचिव इन्द्रजीत सिंह नाथावत ने बताया कि टूर्नामेंट में शुक्रवार को पहला मैच उम्मेद भवन पैलेस व मेहरानगढ़ की बीच खेला गया। जिसमें उम्मेद भवन पैलेस व मेहरानगढ़ के बीच में ड्रा रहा। उम्मेद भवन पैलेस टीम के भंवर निखलेन्द्र सिंह ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए दूसरे व तीसरे चक्कर में 2-2 गोल किए, अनिरुद्ध ने पहले व तीसरे चक्कर में 1-1 गोल किए, भंवर हेमन्तसिंह ने पहले चक्कर में 1 गोल किया, वहीं टीम में विकल्प के तौर पर आए खिलाड़ी पेपेंसिंह भलासरिया ने तीसरे चक्कर में 1 गोल किया। मुकाबले में मेहरानगढ़ की टीम

लॉ हैण्डिकेप होने के कारण 1 गोल की बढ़त के साथ खेलते हुए टीम के खिलाड़ी कुं. योगेश सिंह ने पहले चक्कर में 3 व दूसरे चक्कर में 2 गोल किए वहीं टीम के अन्य खिलाड़ी लक्ष्य शर्मा ने पहले चक्कर में 1 गोल किया।

मैच के अन्वयार कुं. धनन्जय सिंह व कमेंट्री आस्ट्रेलिया से आए डेविड विंसेसर ने की।

वहीं दूसरे मैच में मेयो कॉलेज टीम को इण्डियन नेवी टीम ने आधे गोल के अन्तर से हराया। इण्डियन नेवी की टीम

लॉ हैण्डिकेप होने के कारण आधे गोल की बढ़त के साथ खेलते हुए टीम के कुं. धनन्जय सिंह ने पहले व तीसरे चक्कर में 2-2 व दूसरे चक्कर में 1 गोल किए। सीपीओ अलताफ खान ने दूसरे चक्कर में 1 गोल किया।

■ जोधपुर पोलो एवं इक्वैस्टेरियन इंस्टीट्यूट मुख्य संरक्षक पूर्व शासक गजसिंह मैदान में उपस्थित थे

मेयो कॉलेज टीम की ओर से हर्षवर्धन सिंह सोढा ने पहले, दूसरे व तीसरे चक्कर में 1-1 गोल किए, भंवर शिवांस सिंह शक्तावत ने दूसरे चक्कर में 1 गोल किया व टीम के विदेशी खिलाड़ी लॉस वाटसन ने तीसरे चक्कर में 2 गोल किए। मैच के अन्वयार भंवर हेमन्तसिंह व कमेंट्री आस्ट्रेलिया से आए डेविड विंसेसर ने की। मैच के दौरान मदनसिंह, राजेन्द्रसिंह, कर्नल गिरेन्द्र सिंह दावा, डॉ. महेन्द्रसिंह राठौड़, अंकुर मिश्रा, मेयो कॉलेज के लेफ्टिनेंट जी.एस. राठौड़ सहित अनेक पोलो प्रेमी उपस्थित थे।

सचिव इन्द्रजीत सिंह नाथावत ने बताया कि शनिवार को उम्मेद भवन पैलेस व इण्डियन नेवी टीम के बीच दोपहर 3 बजे फाईनल मैच खेला जाएगा।

## उत्कर्ष क्लासेस द्वारा आरएएस अभ्यर्थियों हेतु सेमिनार आज

सेमिनार में जोधपुर के आरएएस अभ्यर्थी सफलता के गुरुमंत्र पाएंगे

जोधपुर, (कास)। उत्कर्ष क्लासेस द्वारा आरएएस अभ्यर्थियों हेतु जोधपुर के शास्त्री नगर स्थित उत्कर्ष कॉम्प्लेक्स में शनिवार को प्रातः 10 बजे से विशेष सेमिनार आयोजित किया जा रहा है। वहीं रविवार को यह सेमिनार जयपुर के गोपालपुरा वायसरा 10 स्थित उत्कर्ष सेंटर पर प्रातः 10 बजे आयोजित किया जाएगा। विद्यार्थियों के लिए सेमिनार का महत्वपूर्ण पहलू आरएएस-2021 के टॉपर्स से सीधी परिचर्चा कर सफल रणनीति पर मार्गदर्शन प्राप्त करना रहेगा। इस कड़ी में प्रथम रैंक हासिल करने वाले विक्रांत शर्मा के अलावा आकांक्षा दुबे (6वीं रैंक) तथा सत्यनारायण बिस्नोई (10वीं रैंक) विद्यार्थियों से अपनी बनाई



डॉ. निर्मल गहलोत

कामयाब रणनीति एवं अनुभव साझा कर उनका हौसला बढ़ायेंगे। उत्कर्ष क्लासेस के संस्थापक एवं

■ कल जयपुर के अभ्यर्थियों को विशेषज्ञ करेंगे लाभान्वित

निदेशक डॉ. निर्मल गहलोत ने बताया कि संस्था द्वारा आयोजित किए जाने वाले ये फाउंडेशन सेमिनार आरएएस भर्ती परीक्षा के लिए पहले से प्रयासरत अभ्यर्थियों के साथ-साथ उन विद्यार्थियों के लिए भी बेहद उपयोगी साबित होने वाले हैं जो उपयुक्त परीक्षा में प्रथम बार बैठने और सफलता हासिल करने के इच्छुक हैं। इन सेमिनार का हिस्सा बनने वाले विद्यार्थियों को न केवल गत आरएएस भर्ती परीक्षा के टॉपर्स से उनके संघर्ष एवं तैयारी के

बारे में जानने का अवसर मिलेगा बल्कि सचिव परीक्षाओं के बेहद अनुभवी विशेषज्ञों द्वारा प्रारम्भिक, मुख्य तथा साक्षात्कार चरण में कामयाबी से जुड़े कई आवश्यक पहलुओं पर उपयोगी मार्गदर्शन भी प्राप्त होगा। इसके तहत विख्यात विशेषज्ञों से परीक्षा में प्रभावी उत्तर लेखन कला की बारीकियों पर ज्ञानवर्धन करने के अलावा कैसे और कितना पढ़ना है, क्या पढ़ना है और अध्ययन के लिए उचित माध्यम तथा सामग्री का चयन कैसे करें? जैसे महत्वपूर्ण प्रश्नों के सटीक जवाब भी जानने के अवसर प्राप्त होंगे। वहीं सेमिनार में आए सभी विद्यार्थियों को आरएएस - 2021 की प्रारंभिक व मुख्य परीक्षाओं के हल सहित प्रश्न-पत्र तथा ब्रोशर नि:शुल्क दिए जायेंगे।

## “विकसित भारत संकल्प यात्रा” के प्रतिभागियों की संख्या एक करोड़ से अधिक हुई

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 15 नवम्बर को झारखंड के खूंटी से शुरु की गई विकसित भारत संकल्प यात्रा देश भर में नागरिकों के साथ संबंधों को बढ़ावा देने वाला एक परिवर्तनकारी अभियान बनकर उभरी है।

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा विकसित किए गए कस्टमाइज्ड पोर्टल पर दर्ज आंकड़ों के अनुसार 7 दिसम्बर, 2023 तक यह यात्रा 36,000 से अधिक ग्राम पंचायतों तक पहुंच चुकी है और 1 करोड़ से अधिक नागरिकों की भागीदारी इसमें देखी गई है। भारत का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य उत्तर प्रदेश 37 लाख से अधिक लोगों की भागीदारी के साथ इसमें सबसे आगे है। इसके बाद महाराष्ट्र में 12.07 लाख और गुजरात में 11.58 लाख लोगों ने भाग लिया। इस यात्रा को जम्मू-कश्मीर में भी जोश भरा स्वागत किया है, जहां से अब तक 9 लाख से अधिक लोग भाग ले चुके हैं। हर गुजरते दिन के साथ लोगों की भागीदारी में और तेजी आई है। संकल्प



विकसित भारत संकल्प यात्रा कई गांवों में पहुंची।

यात्रा के पहले सप्ताह के दौरान 500,000 नागरिकों की भागीदारी देखी गई। पिछले 10 दिनों के दौरान देश भर से 77 लाख से अधिक लोगों ने इस यात्रा में भाग लिया। बहुत ही कम

समय में, यह यात्रा शहरी क्षेत्र में 700 से अधिक स्थानों तक पहुंच गई है और कुल 79 लाख लोगों ने संकल्प लिया कि 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में प्रयास करेंगे।

एक अभूतपूर्व आउटरीच प्रयास में यह यात्रा सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) वैनों का उपयोग करके 2.60 से अधिक ग्राम पंचायतों और 3600 से अधिक शहरी स्थानों

निकायों को कवर करने की ओर बढ़ रही है। इन वैनों के जरिए लोगों से आवाहन किया जाता है कि वे अपने लाभ के लिए सरकारी योजनाओं का उपयोग करें।

इस यात्रा का एक केन्द्रीय बिंदु महिला-केंद्रित योजनाओं के लिए नामांकन किया है। स्वास्थ्य शिविर भी एक बड़ा आकर्षण साबित हुए हैं और अब तक 22 लाख व्यक्तियों की जांच की जा चुकी है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के हिस्से के रूप में किसानों के लिए किए गए ड्रोन प्रदर्शनों ने काफी उत्सुकता पैदा की है। 'ड्रोन दीदी योजना' के तहत 15,000 महिला स्वयं सहायता समूहों को ड्रोन प्रदान किए जाएंगे और दो महिला सदस्यों को आवश्यक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके शुभांग के साथ ही बड़ी संख्या में महिलाएँ ड्रोन उड़ानों को देखने के लिए आगे आ रही हैं। ये समूह एक शुल्क लेकर ड्रोन सेवाओं को किराए पर देंगे, जो कि इन स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के लिए राजस्व के एक और जरिए के रूप में काम करेगा।

## महाराष्ट्र सम्पर्क क्रांति एक्सप्रेस से बिजली के तार टूटे

गंगापूर सिटी, (निंसां)। कोटा-सवाईमाधोपुर रेलखंड पर देर रात महाराष्ट्र सम्पर्क क्रांति एक्सप्रेस से बिजली (ओएचई) के तार टूटने से कोटा-मथुरा अप लाइन पर करीब 7 घंटे यातायात उप रहा। राजधानी समेत पांच ट्रेनें प्रभावित हुईं। केशवरायपाटन व अरनेटा के बीच हुई ओएचई तार टूटा। अचानक हुई इस घटना के बाद कोटा व लाखेरी से टावर वैगन व इंजीनियरिंग टीम मौके पहुंची। तड़के करीब 4 बजे लाइन को दुरुस्त किया गया। तब जाकर अप लाइन पर यातायात सुचारु हुआ।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार घटना में करीब आधा



गंगापूर सिटी में बिजली का तार टूटने से रेलवे ट्रेन पर खड़ी ट्रेनें।

किलोमीटर तार क्षतिग्रस्त हो गए। इंजन का पेंटाग्राफ भी टूट गया। फिलहाल कारणों का पता नहीं चला है। प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

जानकारी के अनुसार कोटा-सवाई माधोपुर रेलखंड स्थित केशवरायपाटन और अरनेटा स्टेशन के बीच गुस्वार रात 9 बजकर 40

मिनट पर निजामुद्दीन-बांद्रा महाराष्ट्र सम्पर्क क्रांति एक्सप्रेस (12908) से बिजली के तार (ओएचई) टूट गए। इसके चलते 7 ट्रेनें रास्ते में खड़ी रही। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार घटना में करीब आधा किलोमीटर तार क्षतिग्रस्त हो गए। इंजन का पेंटाग्राफ भी टूट गया। फिलहाल कारणों का पता नहीं चला है। प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। ट्रेन रुकने से सफर करने वाले और स्टेशन पर इंतजार करने वाले यात्रियों को भारी परेशानी हुई। यात्री बार-बार रेलवे से ट्रेन संचालन के बारे में पूछताछ करते नजर आए। कहीं से भी संतुष्टि पूर्ण जवाब नहीं मिलने से यात्रियों की

परेशानी और अधिक बढ़ गई। जानकारी देने से बचते रहे अधिकारी:- घटना के बाद रेलवे के अधिकारी जानकारी देने से बचते रही। रेलवे की तरफ से यात्रियों की सुविधाओं को देखते ट्रेनों की स्थिति के बारे जानकारी शेर नहीं की गई। ना ही आधिकारिक रूप से प्रभावित ट्रेनों व उनकी संख्या के बारे में जानकारी दी। एक दूसरे पर जिम्मेदारी डालते नजर आए। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक रोहित मालवीय ने बताया कि ओएचई टूटने से अप लाइन पर यातायात प्रभावित हुआ था। जिसके कारण 5-7 ट्रेनें अटक रही। तड़के 4 बजे करीब लाइन को दुरुस्त कर दिया गया।